



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 409]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 17, 2008/कार्तिक 26, 1930

No. 409]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 17, 2008/KARTIKA 26, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जाँच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 2008

(मध्यावधि समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "सोडियम नाइट्राइट" के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से संबंधित मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत।

सं. 15/24/2008-डीजीएडी.—यतः 1995 में यथा-संशोधित सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक 1 दिसम्बर, 2005 की अधिसूचना सं. 39/1/1999-डीजीएडी के माध्यम से अपने अंतिम जाँच परिणाम अधिसूचित किए थे, जिसमें चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "सोडियम नाइट्राइट" (जिसे एतदपश्चात सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी।

और यतः सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क दिनांक 17 जनवरी, 2006 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 3/2005-सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था।

2. विचाराधीन उत्पाद

मूल जाँच तथा वर्तमान समीक्षा जाँच में शामिल उत्पाद सोडियम नाइट्राइट है। सोडियम नाइट्राइट एक आक्सीकारक अभिकर्ता होने के साथ एक अवकारक अभिकर्मक भी है। यह एक सफेद खेदर चूर्ण होता है जिसका उपयोग मुख्य रूप से भेषज उद्योगों, रंजक उद्योगों, स्नेहकों, निर्माण रसायनों, रबड़ ब्लोइंग एजेंट, उष्मा अंतरण लवणों, मौस प्रसंस्करण, वस्त्रोद्योग आदि में किया जाता है। सोडियम नाइट्राइट के उत्पादन हेतु प्रमुख कच्चा माल अमोनिया है, जिसे एक उत्प्रेरक की उपस्थिति में उच्च तापमान पर नाइट्रस ऑक्साइड में परिवर्तित किया जाता है। तत्पश्चात सोडियम नाइट्राइट प्राप्त करने के लिए नाइट्रस ऑक्साइड को कार्बोस्टिक सोडा द्वारा अवशोषित किया जाता है। सोडियम नाइट्राइट का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार के मध्यवर्ती पदार्थों के उत्पादन हेतु रंजक उद्योगों द्वारा और एनाल्जिन, थियोफाइलीन एवं कैफीन आदि के उत्पादन हेतु भेषज उद्योग द्वारा किया जाता है।

सोडियम नाइट्राइट को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2834.00 तथा आई टी सी के 2834.1010 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन गण (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) है।

4. समीक्षा हेतु आधार

याचिकाकर्ता मेसर्स दीपक नाइट्राइट लिमिटेड ने दावा किया है कि पहले लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करना इस तथ्य के मद्देनजर अपेक्षित है कि पिछली जाँच के बाद से पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में वास्तविक परिवर्तन आया है; घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निवारण के लिए वर्तमान बेंचमार्क शुल्क अब पर्याप्त नहीं है; घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत में उल्लेखनीय वृद्धि हो गई है; अतः पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधन/वृद्धि की जानी अपेक्षित है।

इस प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता ने समीक्षा जाँच की शुरुआत का औचित्य सिद्ध करने के लिए अन्य संबद्ध सूचना के साथ सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन, पहुँच कीमत, उत्पादन लागत, क्षति रहित कीमत के बारे में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराया है।

चीन जन गण एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश होने के कारण याचिकाकर्ता ने सामान्य मूल्य का निर्धारण, उत्पादन लागत संरचित करके इसका समायोजन भारत में भुगतान की गई कीमत के आधार पर किया है। याचिकाकर्ता द्वारा संरचित उत्पादन लागत इस निदेशालय द्वारा अपनाई गई विधि के अनुरूप है। सामान्य मूल्य के संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद है।

निर्यात कीमत का दावा आवेदक द्वारा डी जी सी आई एंड एस तथा आई बी आई एस, मुम्बई से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर किया गया है। निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए मालभाड़े, कमीशन तथा अन्य व्यय आदि से संबंधित कीमत समायोजनों का दावा किया गया। जिन कीमतों पर संबंधित अवधि के दौरान चीन जन गण से संबद्ध वस्तु का आयात किया गया है, उनके बारे में पर्याप्त साक्ष्य आवेदक द्वारा उपलब्ध कराया गया है और जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इसी पर विचार किया है। रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना के आधार पर पाटन मार्जिन अत्यधिक है।

वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के बावजूद चीन जन गण से आयात, निरपेक्ष रूप में अत्यधिक रहे हैं। चीन जन गण से इस उत्पाद के आयातों के कारण कीमत कटौती हो रही है और घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री हो रही है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि चूँकि कच्चे माल की कीमतों में उल्लेखनीय भिन्नता है अतः शुल्क के बेंचमार्क प्रारूप को जारी रखा जाना उचित नहीं है। तथापि ऐसा वर्तमान शुल्कों की समीक्षा के माध्यम से ही किया जा सकता है।

5. शुरुआत

सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए पाटनरोधी नियम में प्राधिकारी से पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करने की अपेक्षा की जाती है।

मेसर्स दीपक नाइट्राइट लि०, पुणे ने चीन जन गण के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए एक आवेदन इस आधार पर प्रस्तुत किया है कि पहले निर्धारित पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उन्होंने उपर्युक्त अधिसूचनाओं के अंतर्गत संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि करने का अनुरोध किया है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने स्वयं को इस बात से संतुष्ट करते हुए कि आवेदक ने समीक्षा की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए पर्याप्त सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराई है, प्राधिकारी का अभिमत है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम की धारा 9 क (5) के प्रावधानों के अंतर्गत इस स्थिति में पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा करना उचित होगा।

दिनांक 1.1.2005 की अधिसूचना सं० 39/1/99-डी जी ए डी द्वारा अधिसूचित अंतिम जांच परिणाम तथा दिनांक 17.1.2006 की अधिसूचना सं० 3/2006-सीमाशुल्क द्वारा लगाए गए अंतिम शुल्क की समीक्षा का निर्णय लेते हुए प्राधिकारी यह समीक्षा करने के लिए कि क्या चीन जन गण के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित "सोडियम नाइट्राइट" के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क में इस स्थिति में संशोधन किया जाना अपेक्षित है, सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 एवं पाटनरोधी नियमावली के अनुसरण में एतद्वारा जांच शुरू करते हैं।

6. प्रक्रिया

यह समीक्षा जांच दिनांक 1.12.2005 की अधिसूचना सं० 39/1/99-डी जी ए डी के सभी पहलुओं को कवर करती है।

मे० दीपक नाइट्राइट लिमिटेड, पुणे ने मूल जांच में घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व किया है। प्राधिकारी, उपर्युक्त नियमावली के अनुसरण में आवेदक को घरेलू उद्योग मानते हैं, जिनका भारत में "समान वस्तु" के उत्पादन में प्रमुख योगदान है।

7. जाँच अवधि

वर्तमान समीक्षा जाँच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि अप्रैल-मार्च, 2007-08 (12 माह) है। तथापि क्षति विश्लेषण में अप्रैल-मार्च 2004-05 से अप्रैल-मार्च, 2007-08 तक की अवधि शामिल की जाएगी।

8. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, भारत में उनके दूतावास के माध्यम से उनकी सरकार भारत में ज्ञात आयातकों एवं प्रयोक्ताओं को निर्धारित प्रारूप में निर्धारित तरीके से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने एवं अपने विचारों से निम्नलिखित को अवगत कराने के लिए उन्हें अलग से पत्र भेजे गए हैं :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
वाणिज्य विभाग,
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय (डी जी ए डी),
उद्योग भवन,
नई दिल्ली-110107

अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार भी जांच से सुसंगत सूचना निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित तरीके से नीचे उल्लिखित अवधि के भीतर प्रस्तुत कर सकता है ।

9. अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के अनुसरण में हितबद्ध पक्षकारों से प्राधिकारी को प्रदत्त किसी भी गोपनीय सूचना का अगोपनीय पाठ प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है । अगोपनीय पाठ अथवा गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश पर्याप्त रूप से विस्तृत होना चाहिए और इससे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को सार्थक जानकारी प्राप्त होनी चाहिए ।

10. समय-सीमा

वर्तमान जाँच से संबंधित कोई भी सूचना एवं सुनवाई हेतु किया गया अनुरोध लिखित में इस प्रकार भिजवाया जाना चाहिए जो प्राधिकारी को उपर्युक्त पते पर इस समीक्षा अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों (40 दिन) से अनधिक अवधि के भीतर प्राप्त हो जाए । यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसरण में रिकॉर्ड में "उपलब्ध तथ्यों " के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं ।

11. उपलब्ध तथ्यों का उपयोग

ऐसे मामले में जहां कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना समुचित अवधि के भीतर उपलब्ध कराने से मना करता है अथवा अन्यथा प्रस्तुत नहीं करता अथवा जाँच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी "उपलब्ध तथ्यों " के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं जिन्हें वह उपयुक्त समझें ।

12. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसरण में कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना/साक्ष्य के अगोपनीय पाठ वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 17th November, 2008

(MID-TERM REVIEW)

Subject : Initiation of Mid-Term Review regarding anti-dumping duty imposed on imports of 'Sodium Nitrite' originating in or exported from China PR.

No. 15/24/2008-DGAD.— Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the AD Rules), vide Notification Number 39/1/1999-DGAD dated 1st December 2005, the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) notified its final findings recommending definitive antidumping duty on import of 'Sodium Nitrite' (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR.

And whereas definitive antidumping duty was imposed on the imports of subject goods vide Customs Notification No. 3/2006 - Customs dated 17th January 2006.

M/s. Deepak Nitrite Limited, the Petitioner has claimed that the anti-dumping duty imposed earlier is required to be reviewed in view of the fact that the dumping margin and injury margin have materially changed since the last investigation.

2. Product Under Consideration

The product involved in the original investigation and the present review investigation is Sodium Nitrite. Sodium Nitrite is an oxidizing as well as a reducing agent also. It is a white crystalline powder mostly used in pharmaceuticals industries, dye industries, lubricants, construction chemicals, rubber blowing agent, heat transfer salts, meat processing, textiles, etc. Major raw material for production of Sodium Nitrite is ammonia, which is converted into nitrous oxide at high temperature in presence of catalyst. The nitrous oxide is then absorbed in caustic soda to get Sodium Nitrite. Sodium Nitrite is primarily used in dyes industries for producing various types of intermediates, pharmaceuticals industry for production of analgin, theophylline, caffeine etc.

4547GI/08-2

Sodium Nitrite is classified under custom sub-heading 2834.00 of Schedule 1 of the Act, and within 2834.1010 of the ITC. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigations.

3. Countries Involved:

The country involved in the present review investigation is China PR (hereinafter referred to as subject country).

4. Grounds for Review

The Petitioner has claimed that the current benchmark duty is no longer sufficient to address the injury to the domestic industry; the non-injurious price of the domestic industry has substantially increased; and therefore the quantum of anti dumping duty is required to be modified/enhanced.

For this purpose, the petitioner has provided sufficient evidence of normal value, export price, dumping margin, landed price, cost of production, non-injurious price, along with other relevant information to justify initiation of this review investigation.

The petitioner contends that China PR being a non-market economy country, it has determined normal value on the basis of price payable in India duly adjusted, by constructing cost of production. The cost of production constructed by the petitioner is consistent with the methodology applied by the Directorate. There is sufficient prima-facie evidence with respect to normal value.

The export price has been claimed on the basis of data provided by the applicant from DGCIS and IBIS Mumbai. Price adjustments have been claimed on account of freight, commissions & other expenses etc. to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of the prices at which the goods have been imported from China P R during the relevant period as made available by the applicant and the Authority for the purpose of initiation has considered the same. Based on information on record, dumping margin is significant.

In spite of current anti dumping duties, imports from China PR have remained significant in absolute terms. The imports of the product from China PR are undercutting and underselling the prices of the domestic industry. The petitioner contends that since the raw material prices have varied so significantly, it may not be appropriate to continue with benchmark form of duty. However, this can only be done through review of existing duties.

5. Initiation

The Act and the AD Rules made thereunder require the Authority to review from time to time the need for continuance of anti-dumping duty.

M/s. Deepak Nitrite Limited, Pune has filed an application substantiating the need for Mid-Term review of the anti-dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from China PR on the grounds that the dumping margin and injury margin determined earlier have significantly increased and have requested for enhancement of the anti-dumping duty imposed on subject goods under the above mentioned notifications.

Having satisfied itself that the applicant has produced sufficient positive information substantiating the need for a review, the Designated Authority considers that the mid-term review of the anti dumping duty would be appropriate at this stage under the provision of Section 9A(5) of the Act read along with Rule 23 of the AD Rules.

Having decided to review the final findings notified vide No. 39/1/99-DGAD dated 01/12/2005 and final duty imposed by Notification No 3/2006-Customs dated 17/01/2006, the Authority hereby initiates investigations, in accordance with the Act and the AD Rules, to review whether existing antidumping duty on imports of 'Sodium Nitrite' originating in or exported from China PR is required to be modified at this stage.

6. **Procedure:**

This review investigation covers all aspects of Notification No.39/1/99-DGAD dated 01/12/2005.

M/s. Deepak Nitrite Limited, Pune has represented the domestic industry in the original investigations. The Authority proposes to consider the applicant, who constitutes a major proportion of the production of the 'Like Article' in India, as domestic industry in accordance with the Rules supra.

7. **Period of Investigation:**

The period of investigation for the purpose of the present review is April-March 2007-08 (12 months). However, injury analysis shall cover the years from April-March 2004-05 to April-March 2007-08.

8. **Submission of Information:**

The known exporters in subject country, their government through their Embassy in India, the known importers and known users in India to be concerned and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties, (DGAD),
Udyog Bhawan,
New Delhi-110107.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

9. **Submission of information on Non-confidential basis.**

In terms of Rule 7 of the AD rules, the interested parties are required to submit non-confidential version of any confidential information provided to the Authority. The non-confidential version or non-confidential summary of the confidential information should be in sufficient detail to provide a meaningful understanding of the information to the other interested parties. If in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summary; a statement of reason thereof is required to be provided.

10. **Time Limit:**

Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the above mentioned address, not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this review notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the 'facts available' on record in accordance with the AD Rules.

11. **Use of facts available**

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the 'facts available' to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

12. **Inspection of Public File:**

In terms of Rules 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the information/evidence submitted by other interested parties.

R. GOPALAN, Designated Authority